गोपाल रत्न पुरस्कार 2026: देशी नस्लों के रखवालों का सम्मान

प्रकाशन: 26 नवंबर 2026

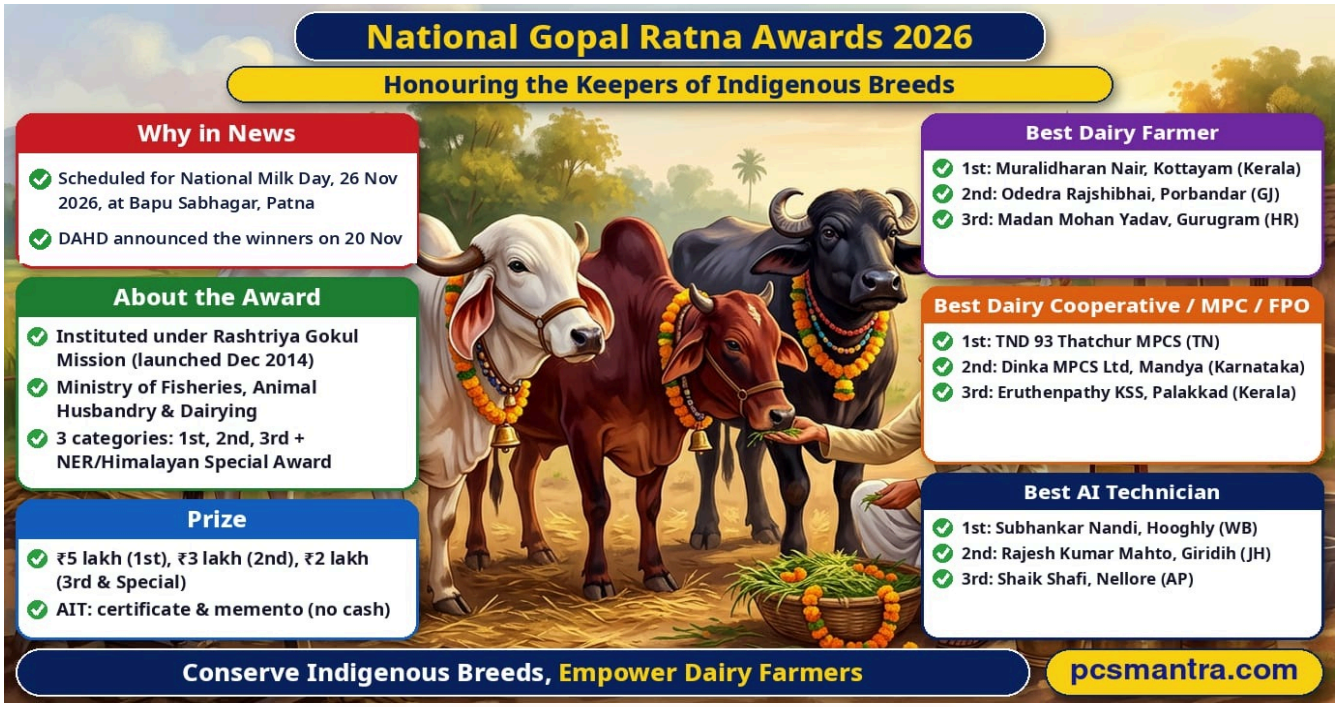

मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

समाचार-संदर्भ: राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार (NGRA) 2026 के विजेताओं की घोषणा, पशुपालन और डेयरी विभाग, 20 नवंबर 2026

खबरों में क्यों

पशुपालन और डेयरी विभाग ने 20 नवंबर 2026 को राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार (NGRA) 2026 के विजेताओं की घोषणा की। इस वर्ष 10 अगस्त से 30 सितंबर 2026 तक आवेदन माँगे गए थे और कुल 1,583 आवेदन मिले।[1]

पुरस्कार राष्ट्रीय दुग्ध दिवस 2026 के समारोह में 26 नवंबर 2026 को पटना (बिहार) के बापू सभागार में प्रदान किए जाने हैं। राष्ट्रीय दुग्ध दिवस डॉ. वर्गीज़ कुरियन की जयंती पर मनाया जाता है, जिन्हें भारत में श्वेत क्रांति का जनक कहा जाता है।[1][2]

पुरस्कार किसके लिए है

उद्देश्य: विभाग देशी गोवंश नस्लों के संरक्षण और विकास को वैज्ञानिक ढंग से बढ़ावा दे रहा है। इसी के लिए दिसंबर 2014 में राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) शुरू किया गया और उसके तहत यह पुरस्कार स्थापित किया गया।[1]

तीन श्रेणियाँ: (1) देशी गोवंश/भैंस नस्लें पालने वाला सर्वश्रेष्ठ डेयरी किसान, (2) सर्वश्रेष्ठ डेयरी सहकारी समिति/दुग्ध उत्पादक कंपनी/डेयरी किसान उत्पादक संगठन (FPO), (3) सर्वश्रेष्ठ कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन (AIT)।[1]

विशेष पुरस्कार: प्रत्येक श्रेणी में पहले, दूसरे और तीसरे स्थान के अलावा पूर्वोत्तर क्षेत्र और हिमालयी राज्यों के लिए एक विशेष पुरस्कार है, ताकि इन राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में डेयरी विकास को बढ़ावा मिले।[1]

आवेदन: गृह मंत्रालय द्वारा विकसित ऑनलाइन पोर्टल awards.gov.in के माध्यम से।[1]

पुरस्कार राशि

पहली दो श्रेणियों (डेयरी किसान और डेयरी सहकारी समिति/दुग्ध उत्पादक कंपनी/FPO) में प्रमाणपत्र, स्मृति-चिह्न और नकद राशि मिलती है:[1]

- पहला स्थान: 5,00,000 रुपये
- दूसरा स्थान: 3,00,000 रुपये
- तीसरा स्थान: 2,00,000 रुपये
- पूर्वोत्तर/हिमालयी राज्यों का विशेष पुरस्कार: 2,00,000 रुपये

AIT श्रेणी: केवल प्रमाणपत्र और स्मृति-चिह्न, नकद राशि नहीं।[1]

विजेताओं की सूची

श्रेणी	स्थान	विजेता
सर्वश्रेष्ठ डेयरी किसान (देशी गोवंश/भैंस नस्लें)	पहला	मुरलीधरन नायर, कोट्टायम, केरल
	दूसरा	ओडेड्रा राजशीभाई, पोरबंदर, गुजरात
	तीसरा	मदन मोहन यादव, गुरुग्राम, हरियाणा
	विशेष (पूर्वोत्तर/हिमालयी)	सागर सिंह रावत, ऊधम सिंह नगर, उत्तराखंड
सर्वश्रेष्ठ डेयरी सहकारी समिति/दुग्ध उत्पादक कंपनी/डेयरी FPO	पहला	TND 93 थाचुर MPCS, कल्लाकुरिची, तमिलनाडु
	दूसरा	डिंका मिल्क प्रोड्यूसर्स कोऑपरेटिव सोसाइटी लि., मांड्या, कर्नाटक
	तीसरा	एरुथेनपथी क्षीरोत्पादक सहकरण संगम, पलक्कड़, केरल
	विशेष (पूर्वोत्तर/हिमालयी)	चक देविया डेयरी कोऑपरेटिव लि., कठुआ, जम्मू और कश्मीर
सर्वश्रेष्ठ कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन (AIT)	पहला	सुभंकर नंदी, हुगली, पश्चिम बंगाल
	दूसरा	राजेश कुमार महतो, गिरिडीह, झारखंड
	तीसरा	शेख शफी, नेल्लोर (श्री पोट्टी श्रीरामुलु ज़िला), आंध्र प्रदेश
	विशेष (पूर्वोत्तर/हिमालयी)	सुधेश कुमार, ऊधम सिंह नगर, उत्तराखंड

सूची PIB की विज्ञप्ति के अनुसार है।[1]

राष्ट्रीय गोकुल मिशन की पृष्ठभूमि

पुनर्गठित RGM: मार्च 2025 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पुनर्गठित राष्ट्रीय गोकुल मिशन को मंज़ूरी दी। 15वें वित्त आयोग की अवधि (2021-22 से 2025-26) के लिए 1,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त परिव्यय के साथ कुल बजट 3,400 करोड़ रुपये हुआ।[3]

जारी गतिविधियाँ: वीर्य केंद्रों और कृत्रिम गर्भाधान नेटवर्क को मज़बूत करना, लिंग-वर्गीकृत वीर्य से बैल उत्पादन और नस्ल सुधार, कौशल विकास, उत्कृष्टता केंद्र और केंद्रीय गोवंश प्रजनन फार्म।[3]

परीक्षा की दृष्टि से विश्लेषण

कड़ी जो पुरस्कार जोड़ता है: पुरस्कार किसान, सहकारी संस्था और AI तकनीशियन, यानी नस्ल-संरक्षण की पूरी शृंखला को पहचान देता है। यह निष्कर्ष स्रोत के तथ्यों पर आधारित विश्लेषण है।

- **प्रोत्साहन:** नकद राशि और सम्मान से देशी नस्लें पालना आकर्षक बनता है।
- **समावेशन:** पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों के लिए अलग पुरस्कार क्षेत्रीय असंतुलन घटाने की कोशिश है।
- **सीमा:** पुरस्कार संख्या में सीमित हैं; नस्ल-संरक्षण का असली असर मिशन की योजनाओं के क्रियान्वयन से तय होगा।

मुख्य परीक्षा: अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: "देशी गोवंश नस्लों का संरक्षण और डेयरी विकास एक-दूसरे के पूरक हैं।" राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार और राष्ट्रीय गोकुल मिशन के संदर्भ में इस कथन का मूल्यांकन कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए) | 10 अंक

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: राष्ट्रीय गोकुल मिशन (दिसंबर 2014) देशी नस्लों के वैज्ञानिक संरक्षण के लिए शुरू हुआ और गोपाल रत्न पुरस्कार उसी के तहत किसानों, सहकारी संस्थाओं और AI तकनीशियनों को सम्मानित करता है।

मुख्य भाग में:

- **पूरकता:** देशी नस्लों का संरक्षण, नस्ल सुधार और कृत्रिम गर्भाधान नेटवर्क डेयरी उत्पादकता और किसान आय से जुड़े हैं।
- **पुरस्कार की भूमिका:** तीन श्रेणियाँ पूरी शृंखला को पहचान देती हैं; पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों के लिए विशेष पुरस्कार।
- **चुनौतियाँ:** पुरस्कार सीमित संख्या में हैं; नस्ल-संरक्षण और उत्पादकता के बीच संतुलन और योजनाओं का क्रियान्वयन।

निष्कर्ष में: पुरस्कार संरक्षण को प्रोत्साहन देते हैं, पर टिकाऊ परिणाम मिशन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से ही मिलेंगे।

प्रिलिम्स परीक्षा: अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार (NGRA) 2026 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह पुरस्कार देशी गोवंश नस्लों के संरक्षण और विकास को प्रोत्साहित करने के लिए है।

2. इसकी तीन श्रेणियाँ हैं और पूर्वोत्तर तथा हिमालयी राज्यों के लिए विशेष पुरस्कार है।

3. सर्वश्रेष्ठ कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन श्रेणी में पहले स्थान पर 5,00,000 रुपये मिलते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 3

(b) केवल 1 और 2

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b)

- कथन 1 सही है: विभाग ने देशी गोवंश नस्लों के संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए यह पुरस्कार स्थापित किया है।
- कथन 2 सही है: तीन श्रेणियाँ हैं और हर श्रेणी में पूर्वोत्तर/हिमालयी राज्यों के लिए विशेष पुरस्कार है।
- कथन 3 गलत है: AIT श्रेणी में केवल प्रमाणपत्र और स्मृति-चिह्न दिया जाता है; नकद राशि पहली दो श्रेणियों में है।

पाठ्यक्रम मानचित्रण:
मुख्य परीक्षा: GS-3 (कृषि, पशुपालन और डेयरी; किसानों की आय); GS-2 (सरकारी नीतियाँ और हस्तक्षेप)
प्रिलिम्स: अर्थव्यवस्था (कृषि और संबद्ध क्षेत्र); सरकारी योजनाएँ और पुरस्कार

स्रोत

1. PIB, पशुपालन और डेयरी विभाग: राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार 2026 के विजेताओं की घोषणा (20 नवंबर 2026)
2. PIB, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय: राष्ट्रीय दुग्ध दिवस 2026 (24 नवंबर 2026)
3. PIB: पुनर्गठित राष्ट्रीय गोकुल मिशन को मंत्रिमंडल की मंज़ूरी (20 मार्च 2025)

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार देशी गोवंश नस्लों का संरक्षण करने वाले किसानों, डेयरी सहकारी संस्थाओं और AI तकनीशियनों को दिया जाता है। 2026 के लिए 1,583 आवेदन मिले।

प्रश्न: NGRA 2026 में कितने आवेदन मिले?

पशुपालन और डेयरी विभाग के अनुसार 1,583 आवेदन मिले, जो 10 अगस्त से 30 सितंबर 2026 तक माँगे गए थे।

प्रश्न: गोपाल रत्न पुरस्कार की कितनी श्रेणियाँ हैं?

तीन: डेयरी किसान, डेयरी सहकारी समिति/दुग्ध उत्पादक कंपनी/FPO और कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन। हर श्रेणी में पूर्वोत्तर/हिमालयी राज्यों के लिए विशेष पुरस्कार भी है।

प्रश्न: पहले स्थान की पुरस्कार राशि कितनी है?

डेयरी किसान और डेयरी सहकारी समिति/दुग्ध उत्पादक कंपनी/FPO श्रेणियों में 5,00,000 रुपये। AIT श्रेणी में नकद राशि नहीं है।